

भारत सरकार  
परमाणु ऊर्जा विभाग  
लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या-795  
उत्तर दिनांक 04/02/2026 को दिया गया

**घरेलू परमाणु ऊर्जा उत्पादन**

795. श्री सतपाल ब्रह्मचारी  
श्री जय प्रकाश

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

- (क) क्या देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए घरेलू परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता में वृद्धि अत्यंत आवश्यक है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या स्वदेशी परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के माध्यम से ऊर्जा सुरक्षा, कार्बन उत्सर्जन में कमी और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को सुदृढ़ किया जा सकता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) वर्ष 2014 से अब तक देश में कुल स्थापित परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता कितनी है और वर्ष 2030 तक इसे बढ़ाने के लिए निर्धारित लक्ष्य का ब्यौरा क्या है;
- (घ) क्या सरकार के पास स्वदेशी ईंधन सहित स्वदेशी अनुसंधान और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके नई परमाणु परियोजनाएं स्थापित करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ङ) क्या देश में परमाणु ऊर्जा आधारित बुनियादी ढांचे के विकास के लिए कोई समयबद्ध दीर्घकालिक कार्ययोजना विशेषकर हरियाणा और सोनीपत लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र सहित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार प्रस्तावित है?

**उत्तर**

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

- (क) व (ख) हां। नाभिकीय ऊर्जा 24x7 उपलब्ध बिजली का एक स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल, मूल भार (बैस लोड) स्रोत है जिसमें देश की दीर्घकालिक ऊर्जा संरक्षा में योगदान करने की अपार क्षमता है। नाभिकीय ऊर्जा के विस्तार से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता में कमी आ सकेगी और वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य (नेट ज़ीरो) कार्बन उत्सर्जन की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को समर्थन मिलने की भी आशा है। सरकार ने केंद्रीय बजट 2025-26 के दौरान नाभिकीय ऊर्जा मिशन की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य ऊर्जा सुरक्षा और ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट नाभिकीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता हासिल करना है।

आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा का समर्थन करने के लिए एक स्वदेशी त्रि-चरणीय नाभिकीय ऊर्जा कार्यक्रम की योजना बनाई गई है। नाभिकीय ऊर्जा का जीवन चक्र

उत्सर्जन जलविद्युत और पवन जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उत्सर्जन के बराबर है।

- (ग) वर्ष 2013-14 के बाद से संस्थापित नाभिकीय विद्युत क्षमता 4780 मेगावाट से बढ़कर वर्तमान में 8780 मेगावाट (आरएपीएस-1 को छोड़कर - 100 मेगावाट) हो गई है। 13600 मेगावाट (पीएफबीआर सहित) की कुल क्षमता वर्तमान में कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में है और वर्ष 2031-32 तक इसे क्रमिक पूर्ण किए जाने की आशा है।
- (घ) हां। नाभिकीय ऊर्जा मिशन के अंतर्गत वर्ष 2047 तक 100 गीगावाट क्षमता प्राप्त करने हेतु, प्रत्येक स्वदेशी 700 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर के 10-10 रिएक्टरों वाले दो नए प्लूट और प्रत्येक 500 मेगावाट विद्युत क्षमता के दो (02) एफबीआर स्थापित करने की योजना बनाई गई है। सभी एफबीआर और पीएचडब्ल्यूआर प्लूट के कुछ रिएक्टरों में स्वदेशी ईंधन का उपयोग किया जाएगा।
- इसके अलावा, बीएआरसी ने ऊर्जा गहन क्षेत्रों के लिए स्वोत्पाद (कैप्टिव) विद्युत संयंत्र के रूप में परिनियोजन के लिए उपयुक्त एसएमआर के डिजाइन, विकास और स्थापना का कार्य आरम्भ किया है। नाभिकीय ऊर्जा मिशन के अंतर्गत वर्ष 2033 तक स्वदेशी एसएमआर के अनुसंधान एवं विकास के लिए भी निधि आवंटित की गई है।
- (ङ) परमाणु ऊर्जा विभाग और विद्युत मंत्रालय द्वारा नाभिकीय ऊर्जा मिशन के अन्तर्गत वर्ष 2047 तक लगभग 100 गीगावाट नाभिकीय विद्युत क्षमता प्राप्त करने के लिए एक कार्ययोजना बनाई गई है। वर्तमान में, हरियाणा के सोनीपत लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में नाभिकीय विद्युत संयंत्र स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। हालांकि, गोरखपुर, हरियाणा में प्रत्येक 700 मेगावाट की दो यूनिटें (जीएचएवीपी-1 व 2) निर्माणाधीन हैं और प्रत्येक 700 मेगावाट की दो और यूनिटें (जीएचएवीपी-3 व 4) कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।

\*\*\*\*\*